**जवाबदावा**

**(Written Statement)**

न्यायालय ............

वाद संख्या ............ सन् .......

अ०ब०स० ............ वादी

**बनाम**

स०द०फ० ............. प्रतिवादी

**प्रतिवादी की ओर से जवाब दावा**

श्रीमान जी,

प्रतिवादी निम्न प्रकार से सविनय निवेदन करता है :

**प्रस्तरवार उत्तर -**

पैरा 1 :- यह कि वाद पत्र का पैरा 1 अभिलेख का मामला है।

पैरा 2 :- यह कि वाद पत्र के पैरा 2 का कथन गलत है और अमान्य है । यह निवेदन है कि वादी द्वारा माँग का कोई नोटिस तामील नहीं कराया गया था । यदि कोई तामील है तो फर्जी है।

पैरा 3 :- यह कि वाद पत्र के पैरा 3 का तथ्य अस्वीकार है । यह निवेदन है कि कोई किराया वाजिब नहीं हुआ है।

पैरा 4 :- यह कि वाद पत्र का पैरा 4 का उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है।

पैरा 5 :- यह कि वाद पत्र के पैरा 5 का उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है।

**अतिरिक्त तर्क -**

पैरा 6 :-- यह कि प्रतिवादी द्वारा निरन्तर किराया भुगतान किया जा रहा है और उस पर कोई बकाया किराया वाजिब नहीं है । इसके विपरीत वादी का कथन असत्य है।

पैरा 7:- यह कि प्रतिवादी द्वारा रसीद की माँग की जा रही है परन्तु वादी उसे छपाई में होना बताकर टालता रहा है। किराये का निरन्तर भुगतान लेकर उसकी रसीद देने में असमर्थ रहा है।

पैरा 8:- यह कि वादी द्वारा विगत तीन वर्ष से कोई रसीद नहीं दी गई है।

पैरा 9:- यह कि इस प्रकार से कोई वाद हेतक (cause of action) उत्पन्न नहीं हुआ है। वाद व्यय सहित खारिज होने योग्य है।

**प्रतिवादी...........**

**द्वारा अधिवक्ता..........**

**सत्यापन**

सत्यापित-स्थान ............ दिनांक ............दिन ............. यह सत्यापित किया जा है कि लिखित कथन के अनुसार 1 लगायत 9 तक के तथ्य मेरी व्यक्तिगत जानकारा म सत्त्व और उसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है ।

**............. (प्रतिवादी)**

**नोट-**

(1) नये तथ्यों को विशेष रूप से तर्कसंगत सिद्ध करना है।

(2) इन्कारी पुष्टियुक्त हो।

(3) जब प्रतिवादी वाद पत्र के तथ्य को इन्कार करे तो उसे टालते हए उत्तर न देकर ठोस उनर दना चाहिये।

(4) उसके द्वारा बताया हुआ यदि कोई हो, जवाबी दावा करना चाहिए।